

वल्कुट पुं. (तत्.) चिकि. प्रमस्तिष्क के ऊपर पतली धूसर परत, मस्तिष्क का बाहरी भाग, छाल।

वल्गन पुं. (तत्.) 1. गप्प लगाना, डींग हाँकना 2. घोड़े की दुलकी चाल, सरपट भागना 3. व्यर्थ उछल-कूद, दौड़कर चलना।

वल्गा स्त्री. (तत्.) लगाम, बाग, रास।

वल्गु वि. (तत्.) 1. सुंदर, मनोहर, आकर्षक 2. मधुर 3. कीमती, बहुमूल्य 4. बकरा 5. बरौनी।

वल्द पुं. (अर.) पुत्र, बेटा, लड़का, तनय।

वल्दियत स्त्री. (अर.) 1. लड़के वाला होना, बाप का नाम 2. वंश परिचय, मां-बाप का नाम।

वल्मीक पुं. (तत्.) 1. दीमकों का बनाया हुआ मिट्टी का ढेर, बिमौट 2. शरीर के कतिपय अंगों की सूजन (श्लीमद नामक रोग)।

वल्लकी स्त्री. (तत्.) 1. वीणा 2. चीड़ का पेड़।

वल्लभ वि. (तत्.) 1. प्यारा, प्रिय 2. प्रधान, सर्वोपरि 3. निरीक्षण करने वाला पुं. 1. प्रेमी; पति 2. अध्यक्ष 3. प्रधान गोप 4. शुभलक्षण-युक्त अश्व।

वल्लभा स्त्री. (तत्.) प्रेयसी, प्रियतमा वि. प्यारी स्त्री।

वल्लभाचार्य पुं. (तत्.) चार वैष्णव संप्रदायों में से एक संप्रदाय के प्रवर्तक आचार्य का नाम जिन्हें कृष्ण भक्ति का प्रमुख प्रचारक माना जाता है।

वल्लभी स्त्री. (तत्.) 1. गुजरात के काठियावाड़ प्रभाग की एक प्राचीन नगरी 2. गोपिका।

वल्लरि/वल्लरी स्त्री. (तत्.) 1. लता, बेल 2. मंजरी 3. मेथी 4. बच।

वल्लव पुं. (तत्.) 1. गोप 2. भीमसेन 3. रसोइया।

वल्लाह पुं. (अर.) 1. ईश्वर की शपथ, खुदा की कसम 2. आश्चर्य का भाव, वाह।

वल्लि स्त्री. (तत्.) 1. बेल 2. पृथ्वी।

वल्ली स्त्री. (तत्.) 1. लता 2. अजमोदा 3. अग्निदमनी (एक क्षुप) 4. कृष्ण अपराजिता 5. शाल का वृक्ष।

वल्वल पुं. (तत्.) एक असुर का नाम जिसे बलराम ने मारा था।

वशंकर वि. (तत्.) किसी को अपने वश में करने वाला।

वशंवद वि. (तत्.) वशीभूत, वशवर्ती, आज्ञाकारी।

वश पुं. (तत्.) 1. शक्ति जिससे दूसरे से कोई काम करा लिया जाय, इच्छा, कामना, अभिलाषा 2. संकल्प 3. शक्ति 4. प्रभाव 5. प्रभुत्व, स्वामित्व, अधिकार वि. 1. काबू में आया हुआ, अधीन 2. आज्ञानुवर्ती 3. जादू-टोने से मुग्ध किया हुआ।

वशग वि. (तत्.) आज्ञाकारी।

वशवर्ती वि. (तत्.) जो किसी के वश में हो, वशीभूत, वशंवद।

वशिक वि. (तत्.) 1. ऐसा स्थान अथवा पात्र जहाँ कुछ भी न हो, शून्य, रहित 2. रीता, खाली।

वशिका स्त्री. (तत्.) अगरु की लकड़ी।

वशिता स्त्री. (तत्.) किसी के अधीन होने की स्थिति। 1. अधीनता 2. योग की एक सिद्धि।

वशित्व पुं. (तत्.) 1. किसी के वश में होने का भाव अथवा स्थिति, वश चलना 2. योग में अणिमा, लघिमा आदि आठ सिद्धियों में से एक जिसकी सिद्धि करने पर व्यक्ति किसी को भी अपने वश में कर सकता है 3. सम्मोहन।

वशिनी स्त्री. (तत्.) शमी या छोंकर का पेड़।

वशिन् वि. (तत्.) 1. अपने को वश में रखने वाला, वश में किया हुआ 2. शक्तिशाली।

वशिमा स्त्री. (तत्.) वश में करने की योग से प्राप्त सिद्धि।

वशिर पुं. (तत्.) 1. समुद्री नमक 2. गजपिप्पली 3. एक प्रकार की लाल मिर्च 4. अपामार्ग 5. वचा।

वशिष्ठ पुं. (तत्.) 1. वैदिक कालीन सूर्यवंशी राजाओं के पुरोहित एक प्राचीन ऋषि जो ब्रह्मा